पहली बार डिजिटल जनगणना, सौंपी जिम्मेदारी

बड़वानी, (नवभारत)। जिले में 2011 के बाद वर्ष 2021 में होनी थी जनगणना, लेकिन कोरोना के साये में बीते चार साल के इंतजार के बाद आखिरकार देश की 16वीं जनगणना की रणभेरी बज गई है।

1 मई से होने जा रहे इस महाभियान में सरकार हर परिवार की मुकम्मल कुंडली तैयार करेगी। खास बात यह है कि यह देश की पहली पूर्णत: डिजिटल जनगणना होगी, जिसमें कागज-कलम की जगह मोबाइल ऐप डेटा कलेक्शन का मुख्य साधन बनेंगे।

प्रशासनिक स्तर पर एसआइआर का काम अंतिम चरण में है। इसके पूरा होते ही प्रगणक घर-घर दस्तक देंगे। इस बार जनगणना के बहाने सिर्फ सिर नहीं गिने जाएंगे, बल्कि मकानों की स्थिति से लेकर खान-पान के तौर-तरीकों तक की जानकारी जुटाई जाएगी। तकनीक के समावेश के लिए तीन विशेष ऐप तैयार किए हैं। डिजिटल स्वरूप होने के कारण सीएमएमएस पोर्टल के जरिए इस पूरी प्रक्रिया की रियल-टाइम मॉनिटरिंग होगी। इससे आंकड़ों के प्रकाशन में वर्षों का समय नहीं लगेगा।

चीन के कब्जे से सारी जमीन को वापस लायेंगे

एडीएम एवं जिला जनगणना प्रभारी सोहन कनास ने बताया कि प्रदेश के साथ ही जिले में भी जनगणना 2026 की तैयारियां शुरू हो गई हैं। संभवत: 1 मई से प्रथम चरण जिसमें घरों की गणना एवं नंबरिंग कार्य किया जाएगा। इसे लेकर सभी कलेक्टर को भोपाल में प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जिले में 4 मास्टर ट्रेनर भी बनाए गए हैं, जिनको मार्च के प्रथम सप्ताह में प्रशिक्षण के लिए भोपाल भेजा जाएगा। जिले में शिक्षकों के साथ सरकारी कर्मचारियों को प्रगणक बनाकर जनगणना की जिम्मेदारी दी जाएगी। साथ ही तहसीलदारों को ग्रामीण क्षेत्र एवं नगर पालिका अधिकारियों को शहर में चार्ज अधिकारी बनाया जाएगा। जिन्हें भोपाल की टीम प्रशिक्षण देने आएगी।

ये ऐप होंगे खास

हाउसिंग ऑपरेशन ऐप : मकानों के सूचीकरण और गणना के लिए।

जनसंख्या गणना ऐप : व्यक्तिगत डेटा संग्रहण के लिए।

डीएलएम ऐप : जीपीएस के जरिए ब्लॉक की सीमाओं को डिजिटल मैप पर कैप्चर करने के लिए।

लिंग अनुपात 2011 अनुसार 1000 पुरुषों पर 982 महिलाएं
साक्षरता दर 49.08
शहरी जनसंख्या 204069
ग्रामीण 1181812
बड़वानी नपा में 10917 घर5

दो चरणों में होगी जनगणना

प्रथम चरण 1 मई 2026 से मकान सुधाकरण व मकान की गणना शुरू होगी। इसमें 33 सवाल जनता से पूछे जाएंगे। द्वितीय चरण फरवरी 2027 से जनसंख्या की गणना होगी। मार्च 2027 को जनगणना के अंतिम आंकड़े प्रकाशित किए जाएंगे।

इन सवालों का देना होगा जवाब

जनगणना मकान, भवन नंबर, मकान के फर्श में प्रयुक्त प्रमुख सामग्री जनगणना मकान की दीवार, छत में प्रयुक्त प्रमुख सामग्री जनगणना मकान के उपयोग, मकान की हालत परिवार क्रमांक, परिवार में रहने वाले व्यक्तियों की संख्या परिवार के मुखिया का नाम, लिंग साइकिल/स्कूटर/बाइक/मोपेडः कार/जीप/वैन/टेलीफोन/मोबाईल फोन/स्मार्ट फोन व मोबाइल नंबर रसोईघर और एलपीजी कनेक्शन की उपलब्धता परिवार में रहने वाले विवाहित दंपती की संख्या, पेयजल का मुख्य स्रोत, उपलब्धता रेडियो/ट्रांजिस्टर, टेलीविजन, इंटरनेट सुविधा, लैपटॉप/कंप्यूटर परिवार द्वारा उपभोग किया जाने वाला मुख्य अनाज क्या परिवार का मुखिया अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य से संबंधित है।

प्रकाश का मुख्य स्रोत, शौचालय की सुलभता, शौचालय का प्रकार, गंदे पानी की निकासी खाना पकाने के लिए प्रयुक्त ईंधन मकान के स्वामित्व की स्थिति, परिवार के पास रहने के लिए उपलब्ध कमरों की संख्या।

फैक्ट फाइल

बड़वानी जिले की जनसंख्या
कुल मकानों की संख्या 243277
कुल जनसंख्या 1385881
कुल महिला 686541
कुल पुरुष 699340
नोट : 2011 की जनगणना के अनुसार

एक नजर में

अंतिम भगोरिया में हजारों लोग हुए शामिल

निवाली। सप्ताह के आखिरी भगोरिया हाट बाजार में हजारों की संख्या में भीड़ दिखी। निवाली में अंतिम भगोरिया हाट में ढोल मांदल के साथ लोग थिरकते नजर आए। नगर के खेतिया रोड़ स्थित पेट्रोल पंप के समीप भगोरिया हाट मेला लगा। जहां आकाशीय झूला एवं नाव झूला आकर्षण के केंद्र बना। नगर में हार कंगन, गुड़ सेव, जलेबी की जमकर खरीदी हुई। नगर के मुख्य बस स्टैंड चौराहे से एक किलोमीटर दूर भगोरिया के झूले एवं मेला लगा। जहां आसपास के क्षेत्रों से हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए। वहीं नगर परिषद निवाली द्वारा गौरव दिवस मनाया गया। जिसमें नगर के मंदिर चौक से गांव पटेल एव नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि नरेंद्र सिसोदिया सहित सभी समाजजन एक साथ शामिल होकर भगोरिया का ढोल-मांदल से भव्य जुलूस निकला गया। वहीं भगोरिया हाट में निवाली थाना प्रभारी आरके लोवंशी पैदल वाच कर पूरी टीम के भगोरिया में आए जन सैलाब की सुरक्षा में लगे रहे। वहीं छोटे बच्चों के खिलौने एवं हार कंगन आकर्षण का केंद्र बने।

नवागत एसपी ने जिले का पद किया ग्रहण

बड़वानी। नवागत एसपी पद्म विलोचन शुक्ला ने सोमवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंच पदभार ग्रहण किया। एसडीओपी दिनेश सिंह चौहान ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। नवागत एसपी ने जिले में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने तथा आमजन के प्रति संवेदनशील एवं प्रभावी पुलिसिंग के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस दौरान थाना प्रभारी बलजीत सिंह बिसेन व कार्यालय का स्टॉफ उपस्थित रहा।

मुख्यमंत्री डॉ .मोहन यादव का किया स्वागत

बड़वानी। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जनजातीय बाहुल्य जिले बड़वानी के नागलवाड़ी में किसान कल्याण वर्ष की पहली कृषि केबिनेट के लिए बड़वानी जिले के नागलवाड़ी स्थित हेलीपेड पहुंचने पर जिले के प्रभारी मंत्री एवं प्रदेश के कौशल विकास व रोजगार मंत्री डॉ गौतम टेटवाल, लोकसभा सांसद गजेन्द्र सिंह पटेल, विधायक पानसेमल श्याम बरड़े ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री का अभिनंदन करने पहुंचे स्थानीय युवाओं और ग्रामीणों ने पारंपरिक जनजातीय वेशभूषा धारण उपस्थित रहे। ढोल-मांदल और अन्य पारंपरिक वाद्य यंत्रों की थाप पर लोक कलाकारों ने नृत्य कर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। डॉ यादव ने भी कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर इंदौर संभाग के कमिश्नर डॉ सुदाम खाड़े, पुलिस महानिरीक्षक अनुराग, पुलिस उपमहानिरीक्षक सिद्धार्थ बहुगुणा, कलेक्टर जयति सिंह उपस्थित अन्य उपस्थित रहे।

21 फीट दांडा रोपण कर होलिका दहन

पानसेमल, (नवभारत)। नगर के गायत्री मंदिर परिसर में शुभ मुहूर्त में पूजन के बाद दांडे का रोपण हुआ। करीब 15 दिनों पूर्व से ही दांडे को बनाने की तैयारियां की जाती हैं। नगर परिषद में पदस्थ दारोगा सतीलाल मराठे ने जानकारी दी कि वरिष्ठजनों के अनुसार नगर के मुख्य मार्ग पर स्थित भगवान श्रीराम मंदिर की स्थापना वर्ष 1907 के लगभग हुई थी। तब से होली का दहन गायत्री मंदिर के निकट किया जा रहा है।

वर्षों से हो रहा होली का दांडा तैयार

दिनेश करणसिंह वाघ ने बताया कि उनके परिवार से ही होली का दांडा तैयार किया जा रहा है। दांडे के लिए सेमी के पेड़ की लकड़ी का उपयोग किया जाता हैं। जो जंगल से लाई जाती है। उनके द्वारा 40 वर्षों से यह होली का दांडा तैयार करने का कार्य किया जा रहा है। ढोल-बाजे के साथ दांडे को सजाकर लाया गया।

8 मार्च को मनाएंगे रंगपंचमी उत्सव

नगर पटेल संजीव सावले ने बताया कि पंडित नरेंद्र कुलकर्णी द्वारा पुजन कर शुभ मुहूर्त में दांडे का रोपण किया गया। 3 मार्च को सुबह 5.30 पर होलिका दहन का समय है। 8 मार्च को रंगपंचमी उत्सव मनाया जाएगा। इस दौरान नगर पटेल संजीव सावले, पूर्व नगर पटेल के सुपुत्र प्रवीण अग्रवाल, नगर परिषद उपाध्यक्ष साहेबराव चौधरी, देवा महाजन, सतिलाल मराठे, पार्षद, नगर परिषद कर्मचारी एवं समाज के वरिष्ठ सदस्य मौजूद रहे।

नेत्र शिविर 13 को

बड़वानी। लायंस क्लब बड़वानी व चोइथराम नेत्र चिकित्सालय द्वारा 13 मार्च को नि:शुल्क मोतियाबिंद जांच शिविर जिला अस्पताल में आयोजित किया जाएगा। कैम्प कोऑर्डिनेटर रविन्द्र टेकाम ने बताया कि शिविर सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक लगेगा। मोतियाबिंद के मरीजों को लैंस प्रत्यारोपण के लिए इंदौर भेजा जाएगा। मरीज आधार कार्ड लेकर आए। लायंस क्लब बड़वानी सिटी द्वारा शिविर वाले दिन नि:शुल्क भोजन की व्यवस्था की जाएगी।

सड़क हादसे में तीन घायल, किया रैफर

- ऑटो और बाइक में भिड़ंत बताई।
- पुलिस जांच के बाद होगा स्पष्ट।

पानसेमल, (नवभारत)। क्षेत्र में हुए सड़क हादसे के दौरान 3 व्यक्ति घायल हुए हैं। जिनका प्राथमिक उपचार कर रैफर किया गया है। अस्पताल से प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना में दिनेश रुपसिंह निवासी गोंगवाडा, मनोज प्रहलाद शर्मा निवासी पानसेमल एवं नितिन प्रकाश जैन निवासी पानसेमल घायल हुए हैं। घटना ऑटो एवं बाइक की भिड़ंत से होना बताया गया है। जो पुलिस जांच के बाद स्पष्ट हो पाएगा।

सीएचसी पर मौजूद डॉ लालू झीले द्वारा स्टॉफ के साथ घायलों का प्राथमिक उपचार किया गया। जिसके बाद उन्हें रैफर कर दिया। प्रत्यदर्शियों के अनुसार घटना खेतिया-सेंधवा स्टेट हाइवे पर चीखल्दा फाटे के निकट होना बताया गया है। डॉ झीलें बताया कि सोमवार को सड़क हादसे के 6 घायल हुए, जिनमें से 4 को रैफर किया है।

आदिवासियों भाई-बहनों का लोकप्रिय त्यौहार है भगोरिया : नगरीय विकास मंत्री विजयवर्गीय

- आदिवासियों द्वारा प्रकृति प्रेम को प्रकट करता भगोरिया पर्व पर : नगरीय विकास एवं आवास मंत्री विजयवर्गीय
- आलीराजपुर में धूमधाम से मनाया गया भगोरिया पर्व

आलीराजपुर । आदिवासी अंचल के लोकप्रिय और पारंपरिक भगोरिया पर्व का अंतिम दिन आज आलीराजपुर में उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया।

भगोरिया का त्यौहार आदिवासी भाइयों बहनों के लिए लोकप्रिय त्यौहार है। यह त्यौहार आदिवासी भाई बहनों की प्रकृति प्रेम को प्रदर्शित करता है क्योंकि यह त्यौहार रबी की फसल की कटाई के बाद होली के 7 दिवस पूर्व से मनाया जाता है। यह सब नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने आज आलीराजपुर के प्रसिद्ध भगोरिया पर्व में शामिल होने पर कही और आदिवासी समाज को भगोरिया और होली की शुभकामनाएं दीं । इस दौरान अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान, क्षेत्रीय सांसद अनीता नागर सिंह चौहान , जिला पंचायत अध्यक्ष हजरी बाई खरत सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थिति थे।

मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आदिवासी संस्कृति, परंपरा और भाषा के संरक्षण के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। उन्होंने आदिवासी कला और संस्कृति को संरक्षित करने वाले कलाकारों को पद्मश्री सम्मान दिलाने की पहल का भी उल्लेख किया। साथ ही शासन द्वारा आदिवासी जननायकों टंट्या मामा, शंकर शाह और भीमा नायक जैसे महानायकों को इतिहास में उचित स्थान दिलाने के प्रयासों की सराहना की। भगोरिया के अंतिम दिन मंत्री विजयवर्गीय,मंत्री चौहान एवं सांसद ने मांडल की थाप पर आदिवासी भाई-बहनों के साथ पारंपरिक नृत्य किया और स्वयं मांडल वादन कर उत्सव की खुशियों में सहभागी बने। उपस्थित जनसमुदाय ने जनप्रतिनिधियों का आत्मीय स्वागत किया।

भगोरिया मेले में 14 वर्षीय बालक की अचानक मौत

- कैबिनेट मंत्री नागर सिंह चौहान भगोरिया छोड़ कर पहुंचे जिला अस्पताल

अलीराजपुर। भगोरिया मेले की रौनक उस समय मातम में बदल गई, जब 14 वर्षीय किशोर की अचानक चक्कर खाकर गिरने से मौत हो गई। घटना दोपहर करीब तीन बजे मेल ग्राउंड के बाहर की बताई जा रही है। मृतक की पहचान अनिल पिता जागरसिंह पटेल, निवासी मौरासा के रूप में हुई है।

मृतक के जीजा संजय बामनिया ने बताया कि अनिल गुजरात में मजदूरी करने गया था और 26 फरवरी को ही मजदूरी कर घर लौटा था। वह भगोरिया देखने के बाद अपने घर जाने की बात कह रहा था। सोमवार को वह परिवार और फलिए के लोगों के साथ आलीराजपुर में आयोजित भगोरिया मेला देखने आया था।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अनिल अपने साथियों के साथ मेले के अंदर जा रहा था, तभी उसे अचानक चक्कर आने लगे। साथ मौजूद लड़कों ने उसे तत्काल नीचे बैठाया और परिजनों को सूचना देने गए। इसी दौरान पुलिस मौके पर पहुंची और अनिल को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।घटना की सूचना मिलते ही प्रदेश के कैबिनेट मंत्री नागर सिंह चौहान जिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर सांत्वना दी और कलेक्टर को निर्देश दिए कि डॉक्टरों का पैनल बनाकर पोस्टमार्टम कराया जाए, ताकि मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता चल सके।फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। अचानक हुई इस घटना से परिवार में शोक व्याप्त है और भगोरिया मेले की खुशियां गम में बदल गईं।

फसल बेचने के लिए पंजीयन जारी

आलीराजपुर। जिले में किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश शासन की उपार्जन योजना अंतर्गत समर्थन मूल्य पर फसलों के विक्रय हेतु पंजीयन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

उपायुक्त सहकारिता सोलंकी ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले के किसान अपनी गेहूं, चना, मसूर एवं सरसों की उपज को समर्थन मूल्य पर बेचने के लिए अपनी निकटस्थ बहुउद्देश्यीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों में जाकर अनिवार्य रूप से पंजीयन कराएं। आगे उन्होंने बताया कि प्रत्येक फसल के लिए पंजीयन की अंतिम तिथियां निर्धारित कर दी गई हैं।

किसान निर्धारित समयावधि में पंजीयन कराकर योजना का लाभ अवश्य लें। गेहूं उपार्जन की पंजीयन की अंतिम तिथि 07 मार्च 2026 चना एवं मसूर पंजीयन की अंतिम तिथि 16 मार्च 2026 तथा सरसों पंजीयन की अंतिम तिथि 20 मार्च 2026 निर्धारित की गई हैं। उन्होंने किसानों से अपील की है कि अंतिम तिथि का इंतजार न करते हुए समय रहते पंजीयन प्रक्रिया पूर्ण कर लें, ताकि उपार्जन के समय किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। अत: जिले के सभी किसान निर्धारित अवधि में अनिवार्य रूप से पंजीयन कराकर शासन की योजना का लाभ उठाएं।

पेटलावद में कांग्रेस-जयस ने निकाली गेर

पेटलावद। आदिवासी संस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिला जब भगोरिया के अवसर पर कांग्रेस और जयस द्वारा भव्य गेर निकाली गई। आदिवासी एकता और परंपरा के रंग में डूबे इस आयोजन में ढोल-मादल की थाप पर समाजजन जमकर थिरके।

शुरुआत तहसील परिसर से कांग्रेस की गैर के साथ हुई, जिसका नेतृत्व पूर्व विधायक वालसिंह मेडा ने किया। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सलीम शेख और उपाध्यक्ष भरत मुलेवा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता पारंपरिक वेशभूषा में ढोल की थाप पर नाचते-गाते शामिल हुए। इसके बाद जयस एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में एक विशाल ऐतिहासिक गैर निकाली गई, जो शहर के मुख्य मार्गों से गुजरते हुए आदिवासी संस्कृति का प्रदर्शन करती रही। अंचल भर से आए आदिवासी समाज के लोगों ने अपने पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ इस उत्सव को यादगार बना दिया।

इस बार भगोरिया में राजनीतिक हलचल भी चर्चा का विषय रही। जिले भर के अन्य भगोरिया आयोजनों में भाजपा की सक्रिय उपस्थिति के बावजूद, पेटलावद में कैबिनेट मंत्री निर्मला भूरिया का विधानसभा क्षेत्र होने के बावजूद भाजपा द्वारा गैर का आयोजन नहीं किया गया, जो शहर में चर्चा का केंद्र बना रहा। वहीं, नगर परिषद द्वारा हमेशा की तरह इस बार भी शरबत पिलाकर गैर में शामिल लोगों का आत्मीय स्वागत किया गया।

एक नजर — नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार झूमे ढोल-मांदल की थाप पर, हजारों की मौजूदगी में कांग्रेस का भव्य गेर

भगोरिया में दिखा संस्कृति और सियासत का अनूठा संगम

आलीराजपुर। आदिवासी अंचल का विश्व प्रसिद्ध भगोरिया पर्व इस वर्ष जिले के आखिरी और सबसे बहुप्रतीक्षित आयोजन के रूप में ऐतिहासिक बन गया। सांस्कृतिक वैभव और सियासी संदेशों के अद्भुत संगम ने इस आयोजन को विशेष बना दिया। कांग्रेस द्वारा आयोजित भव्य कार्यक्रम में प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

नगर पालिका से टाकीज चौराहे तक भव्य गैर निकाला गया, जिसमें हजारों ग्रामीणजन, युवा और कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। ढोल-मांदल की गूंज, पारंपरिक वेशभूषा और उत्साह से लबरेज नृत्य दलों ने पूरे शहर को उत्सवमय बना दिया। जिले के अंतिम भगोरिया होने के कारण लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला।

सबसे आकर्षक क्षण तब आया जब नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार स्वयं ढोल की थाप पर थिरकते नजर आए। उन्होंने 'कुर्राटी' मारते हुए आदिवासी संस्कृति का उल्लासपूर्वक स्वागत किया। जनसमूह ने तालियों और नारों से उनका अभिनंदन किया।

कार्यक्रम में आदिवासी विकास परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष महेश पटेल,एवं जोबट विधायक सेना महेश पटेल, युवक कांग्रेस जिला अध्यक्ष पुष्पराज पटेल सहित अनेक वरिष्ठ नेता और सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उमंग सिंघार ने कहा -भगोरिया केवल पर्व नहीं, यह आदिवासी समाज की अस्मिता, स्वाभिमान और परंपरा का प्रतीक है। जिले के अंतिम भगोरिया में इतनी बड़ी भागीदारी यह साबित करती है कि हमारी संस्कृति आज भी जीवंत और मजबूत है।'

उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों के विकास और अधिकारों की रक्षा को कांग्रेस की प्राथमिकता बताते हुए प्रदेश सरकार पर भी सवाल उठाए।

भाजपा नेता कैलाश विजयवर्गीय के दौरे पर प्रतिक्रिया देते हुए उमंग सिंघार ने कहा—आदिवासियों के बीच आकर क्या वे आदिवासियों की 'औकात' देखने आए हैं या आदिवासियो से माफी मांगने? 'उनके इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है।

आदिवासी विकास परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष महेश पटेल ने कहा जिले के आखि़री भगोरिया में उमड़ा यह जनसैलाब बताता है कि आदिवासी समाज अपनी संस्कृति को लेकर कितना सजग और गर्वित है। यह पर्व हमें एकता, भाईचारे और परंपराओं के संरक्षण का संदेश देता है। इस धरोहर को सुरक्षित रखना हम सबकी जिम्मेदारी है।

ऐतिहासिक बना जिले का अंतिम भगोरिया

जिले के आखि़री भगोरिया ने यह साबित कर दिया कि जब परंपरा, संस्कृति और जनभावनाएं एक साथ आती हैं तो वह आयोजन इतिहास बन जाता है। ढोल-मांदल की गूंज, रंग-बिरंगे नृत्य और नेताओं की सहभागिता ने इस पर्व को अविस्मरणीय बना दिया।आलीराजपुर का यह अंतिम भगोरिया संस्कृति, एकता और सशक्त सामाजिक संदेश का प्रतीक बनकर उभरा।